भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.08.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4559 का उत्तर

वर्ष 2020 से उत्तर प्रदेश में नई रेल परियोजनाएं

†4559. श्री अशोक कुमार रावत:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2020 से अब तक उत्तर प्रदेश के लिए स्वीकृत नई रेल परियोजनाओं का जोन-वार, वर्ष-वार और स्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त परियोजनाओं में से कितनी परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं और इनमें क्या प्रगति हुई है;

(ग) इन पर अब तक परियोजना-वार कितनी राशि व्यय की गई है; और

(घ) इन परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेलवे देश के नागरिकों के लिए परिवहन के प्रमुख साधनों में अत्यंत पर्यावरण-अनुकूल और किफायती परिवहन साधन है। हालाँकि, भारतीय रेल में कम निवेश के कारण, वर्ष 2014 (स्वतंत्रता से लगभग 60 वर्ष) से पूर्व नेटवर्क विस्तार की वृद्धि बहुत कम थी। वर्ष 2014 के पश्चात भारतीय रेल में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण, भारतीय रेल नेटवर्क के विकास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसका विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	परिचालित किए गए रेलपथ कि.मी.	टिप्पणियां
1948	लगभग 60,000 कि.मी.	
2014	लगभग 90,000 कि.मी.	लगभग 30,000 कि.मी. वृद्धि (60 वर्षों से अधिक समय में)
2025	लगभग 1,15,000 कि.मी.	26,000 कि.मी. (केवल 11 वर्षों में)

<u>उत्तर प्रदेश:</u>

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रु. प्रतिवर्ष
2025-26	19,858 करोड़ रू. (लगभग 18 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के कमीशन किए जाने/बिछाने का विवरण निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	996 कि.मी.	199.2 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-25	5272 कि.मी.	479.3 कि.मी. प्रति वर्ष (2 गुना से अधिक)

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 49 रेल परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं, जिनकी कुल लागत 62360 करोड़ रु. है। इन कार्यों की स्थिति संक्षेप में निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	10	1227	340	10517
आमान परिवर्तन	2	67	0	281
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	37	2513	983	19813
कुल	49	3808	1323	30611

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली, हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	नवीनतम लागत (करोड़ रु. में)
1	आगरा-इटावा नई लाइन (110 कि.मी.)	427
2	गुना-इटावा नई लाइन (348 कि.मी.)	683
3	इटावा-मैनपुरी नई लाइन (58 कि.मी.)	313
4	गाजीपुर सिटी-तारिघाट नई लाइन (17 कि.मी.)	1766
5	कानपुर-बरेली आमान परिवर्तन (545 कि.मी.)	1790
6	बरेली-टनकपुर आमान परिवर्तन (102 कि.मी.)	313
7	गोंडा-बहराइच आमान परिवर्तन (60 कि.मी.)	318
8	पीलीभीत-शाहजहांपुर आमान परिवर्तन (83 कि.मी.)	589
9	इंदारा-दोहरीघाट आमान परिवर्तन (34 कि.मी.)	213
10	लखनऊ-पीलीभीत (263 कि.मी.)	1634
11	उतरेतिया-जाफराबाद दोहरीकरण (148 कि.मी.)	890
12	भदोही-जंघई दोहरीकरण (31 कि.मी.)	168
13	मेरठ-मुजफ्फरनगर दोहरीकरण (55 कि.मी.)	430
14	मुजफ्फरनगर-तापरी दोहरीकरण (52 कि.मी.)	525
15	मथुरा-पलवल चौथी लाइन (80 कि.मी.)	669
16	उतरेतिया-रायबरेली दोहरीकरण (66 कि.मी.)	662
17	रायबरेली-अमेठी दोहरीकरण (60 कि.मी.)	668
18	भीमसेन-झांसी दोहरीकरण (206 कि.मी.)	2620
19	बलिया-गाज़ीपुर सिटी दोहरीकरण (65 कि.मी.)	650
20	औड़िहार-जौनपुर दोहरीकरण (60 कि.मी.)	405
21	बाराबंकी-अकबरपुर दोहरीकरण (161 कि.मी.)	1700
22	रोज़ा-बुढ़वल दोहरीकरण (181 कि.मी.)	2094
23	जौनपुर-अकबरपुर दोहरीकरण (77 कि.मी.)	676
24	रमना-सिंगरौली दोहरीकरण (160 कि.मी.)	2436
25	जंघई-फाफामऊ दोहरीकरण (47 कि.मी.)	414
26	वाराणसी-इलाहाबाद दोहरीकरण (120 कि.मी.)	2018

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ मुख्य परियोजनाएं, जो शुरू की गई हैं, निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	सहजनवा-दोहरीघाट नई लाइन (81 कि.मी.)	1320
2	बहराइच और खलीलाबाद नई लाइन (240 कि.मी.)	4940
3	ऊंचाहार-अमेठी दोहरीकरण (66 कि.मी.)	1229
4	पं. दीन दयाल उपाध्याय - प्रयागराज तीसरी लाइन (150 कि.मी.)	2649
5	बिल्ली-चुनार दोहरीकरण (102 कि.मी.)	1424
6	छपरा-बलिया दोहरीकरण (65 कि.मी.)	937
7	वाराणसी-प्रयागराज दोहरीकरण (120 कि.मी.)	2018
8	डोमिनगढ़-कुसम्ही- तीसरी लाइन (21 कि.मी.)	508
9	बुढ़वल गोंडा तीसरी लाइन (62 कि.मी.)	800
10	फेफना-इंदारा, मऊ-शाहगंज दोहरीकरण (150 कि.मी.)	1529
11	भटनी-औड़िहार दोहरीकरण (125 कि.मी.)	2529
12	गोरखपुर-वाल्मीकिनगर दोहरीकरण (96 कि.मी.)	1121
13	जंघई-अमेठी दोहरीकरण (87 कि.मी.)	719
14	जंघई- फाफामऊ दोहरीकरण (47 कि.मी.)	414
15	वाराणसी-पंडित दीनदयाल उपाध्याय मल्टीट्रैकिंग (15 किमी) जिसमें गंगा नदी पर एक नए रेल-सह-सड़क पुल का निर्माण भी शामिल है।	2464

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएँ उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेलवे परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया जाता है।

किसी भी रेल परियोजना की मंजूरी कई मापदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नानुसार शामिल हैं:

- प्रस्तावित मार्ग का अनुमानित यातायात अनुमान और लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदान की गई प्रथम और अंतिम स्थान संपर्कता
- मिसिंग लिंक को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों में वृद्धि
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई माँगें,
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व

- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वन संबंधी मंज़ूरी**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगिताओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंज़ूरियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के आसपास कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **किसी विशेष परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******